PRACTICES	HYBRID CARROT (SINDOOR)	व्यवस्थापन	हाइब्रिड गाजर (सिन्दूर)
Field Sanitation	Remove residues of previous crops, weeds, old vines and diseased/damaged plant material before sowing. Keep the boundries of field clean to reduce pest and disease carry-over.	खेत की सफाई	बुवाई से पहले पिछली फसलों के अवशेष, खरपतवार, पुरानी बेलें और रोगग्रस्त/क्षतिग्रस्त पौधों को हटा दें। कीटों और रोगों के प्रसार को कम करने के लिए खेत की सीमाओं को साफ रखें।
Soil requirement	Deep, loose, and sandy loam soil, well-drained, fertile, with good organic matter. Ideal pH-range: around 6.0-7.0. Avoid waterlogging, heavy clay and stony soil to prevent root deformation.	मिट्टी की आवश्यकता	गहरी, ढीली और रेतीली दोमट मिट्टी, अच्छी जल निकासी वाली, उपजाऊ और पर्याप्त जैविक पदार्थ युक्त होनी चाहिए। आदर्श पीएच सीमा लगभग 6.0-7.0 है। जड़ों को विकृत होने से बचाने के लिए जलभराव, भारी चिकनी मिट्टी और पथरीली मिट्टी से बचें।
Soil Testing	Conduct soil testing at least once every 2–3 years for EC, pH, OC, and macro-micro nutrients, and apply fertilizers based on test results.	मृदा परीक्षण	मिट्टी की ईसी, पीएच, ओईसी और वृहद-सूक्ष्म पोषक तत्वों की जांच कम से कम हर 2-3 साल में एक बार करें और परीक्षण परिणामों के आधार पर उर्वरक डालें।
Climate Suitability	Climate Requirement Carrot prefers cool to mild climates for best color and flavor. Optimum temperature: 15–25 °C. High temperatures lead to poor color and hard roots; frost may damage foliage.	जलवायु उपयुक्तता	जलवायु संबंधी आवश्यकताएँ गाजर को सर्वोत्तम रंग और स्वाद के लिए ठंडी से मध्यम जलवायु पसंद होती है। इष्टतम तापमान: 15–25 डिग्री सेल्सियस। उच्च तापमान से रंग खराब हो जाता है और जड़ें कठोर हो जाती हैं; पाला पत्तियों को नुकसान पहुंचा सकता है।
Land preparation	Land Preparation Deep plough 2–3 times followed by harrowing to obtain fine tilth. Incorporate 8–10 tons of well-decomposed FYM per acre 15–20 days before sowing. Make raised beds or ridges 20–25 cm high for uniform root growth and drainage.	भूमि की तैयारी	खेत की तैयारी दो-तीन बार गहरी जुताई करें और फिर बारीक जुताई के लिए हैरोइंग करें। बुवाई से 15-20 दिन पहले प्रति एकड़ 8-10 टन अच्छी तरह से सड़ी हुई गोबर की खाद डालें। जड़ों की एकसमान वृद्धि और जल निकासी के लिए 20-25 सेंटीमीटर ऊँची क्यारियाँ या मेड़ें बनाएँ।
Sowing Time	Sowing Time / Season • North India: August – October (Rabi crop). • South India: July – February (multiple sowings possible). • Hill regions: March – June.	बुवाई का समय	बुवाई का समय/मौसम • उत्तर भारत: अगस्त – अक्टूबर (रबी फसल)। • दक्षिण भारत: जुलाई – फरवरी (एक से अधिक बार बुवाई संभव)। • पहाड़ी क्षेत्र: मार्च – जून।
Seed rate & Spacing	Seed Rate / Sowing Method / Spacing Seed rate: 2–2.5 kg per acre (≈ 5–6 kg/ha). Sowing method: Direct sowing on ridges or raised beds; seed depth 1–2 cm. Spacing: 30 cm between rows × 7–10 cm between plants (after thinning).	बीज दर और दूरी	बीज दर / बुवाई विधि / पौधों के बीच की दूरी बीज दर: 2–2.5 कि.ग्रा. प्रति एकड़ (≈ 5–6 कि.ग्रा. /हेक्टेयर)। बुवाई विधि: मेड़ों या उठी हुई क्यारियों पर सीधी बुवाई; बीज की गहराई 1–2 सेमी। पौधों के बीच की दूरी: पंक्तियों के बीच 30 सेमी × पौधों के बीच 7–10 सेमी (पौधों को छांटने के बाद)।
Seed Treatment	Seed Treatment / Fungicide Treat seeds with Thiram or Captan @ 3 g/kg seed or Trichoderma viride @ 4 g/kg before sowing to protect against damping-off. Pre-soak seeds in water for 12 hours to enhance germination.	बीज उपचार	बीज उपचार / फफूंदनाशक बीजों को बोने से पहले थिरम या कैप्टन (3 ग्राम/किग्रा बीज) या ट्राइकोडर्मा विरिडे (4 ग्राम/किग्रा) से उपचारित करें ताकि उन्हें फफूंदनाशक रोग से बचाया जा सके। अंकुरण बढ़ाने के लिए बीजों को 12 घंटे पानी में भिगो दें।
Weed Management	Weed Control First weeding and thinning at 20–25 days after sowing; second at 40 days. Mulching with organic materials helps conserve moisture and suppress weeds. Pre-emergence herbicide Pendimethalin @ 1 L/acre can be applied after sowing (if permitted).	खरपतवार प्रबंधन	खरपतवार नियंत्रण बुवाई के 20-25 दिन बाद पहली निराई और पौधों को छांटना; दूसरी निराई 40 दिन बाद। जैविक पदार्थों से मल्चिंग करने से नमी बनाए रखने और खरपतवारों को नियंत्रित करने में मदद मिलती है। बुवाई के बाद (यदि अनुमति हो) 1 लीटर प्रति एकड़ की दर से प्री-इमर्जेंस हर्बिसाइड पेंडिमेथालिन का प्रयोग किया जा सकता है।
Fertilizer Management	Fertilizer & Nutrient Management (Per Acre) Organic manure: 8–10 t FYM before sowing. Chemical fertilizers: • Urea – 55 kg (≈ 25 kg N) • SSP – 125 kg (≈ 20 kg P_2O_5) • MOP – 40 kg (≈ 25 kg K_2O). Apply full P & K and half N as basal; remaining half N 30 days after sowing.	उर्वरक प्रबंधन	उर्वरक एवं पोषक तत्व प्रबंधन (प्रति एकड़) जैविक खाद: बुवाई से पहले 8-10 टन गोबर की खाद । रासायनिक उर्वरक: • यूरिया – 55 कि.ग्रा. (≈ 25 कि.ग्रा. नाइट्रोजन) एसपी – 125 कि.ग्रा. (≈ 20 कि.ग्रा. फास्फोरस/ऑक्सीजन) • एमओपी – 40 कि.ग्रा. (≈ 25 कि.ग्रा. पोटेशियम/ऑक्सीजन) पूरा फास्फोरस और पोटेशियम तथा आधा नाइट्रोजन आधार के रूप में डालें; शेष आधा नाइट्रोजन बुवाई के 30 दिन बाद डालें।
Irrigation Management	Irrigation Management • First irrigation immediately after sowing. • Subsequent irrigations every 6–7 days in light soil and 10–12 days in heavy soil. Maintain consistent moisture for uniform root growth. Avoid waterlogging or prolonged dryness.	सिंचाई प्रबंधन	सिंचाई प्रबंधन • बुवाई के तुरंत बाद पहली सिंचाई करें। • हल्की मिट्टी में हर 6-7 दिन और भारी मिट्टी में हर 10-12 दिन में सिंचाई करें। जड़ों की एक समान वृद्धि के लिए नमी बनाए रखें। जलभराव या लंबे समय तक सूखे से बचें।
Pest Management	Pest Management 1. Carrot Fly / Root Maggot: Drench soil with Chlorpyrifos @ 2 ml/L before sowing and use crop rotation. 2. Aphids / Leafhoppers: Spray Neem oil @ 3% or Imidacloprid @ 0.3 ml/L. 3. Cutworms: Apply Carbaryl 5% dust @ 10 kg/acre around seedlings.	कीट प्रबंधन	कीट प्रबंधन 1. गाजर की मक्खी / जड़ का कीड़ा: बुवाई से पहले मिट्टी को 2 मिली/लीटर की दर से क्लोरपाइरिफोस से भिगो दें और फसल चक्र अपनाएं। 2. एफिड्स / लीफहॉपर्स: 3% नीम का तेल या 0.3 मिली/लीटर इमिडाक्लोप्रिड का छिड़काव करें। 3. कटवर्म: पौधों के आसपास 5% कार्बेरिल पाउडर का 10 कि.ग्रा./एकड़ की दर से छिड़काव करें।
Disease Management	Disease Management 1. Alternaria Leaf Blight: Spray Mancozeb @ 2.5 g/L at 10-day intervals. 2. Powdery Mildew: Spray Wettable Sulphur @ 2 g/L. 3. Root Rot / Damping-off: Drench with Copper Oxychloride 0.3% or Trichoderma viride @ 1 kg/acre + 50 kg FYM. 4. Bacterial Soft Rot: Avoid injury during harvest and ensure field drainage.	रोग प्रबंधन	रोग प्रबंधन 1. अल्टरनेरिया लीफ ब्लाइट: मैनकोज़ेब का छिड़काव 2.5 ग्राम/लीटर की दर से 10 दिन के अंतराल पर करें। 2. पाउडरी मिल्ड्यू: वेटेबल सल्फर का छिड़काव 2 ग्राम/लीटर की दर से करें। 3. रूट रॉट/डैम्पिंग-ऑफ: कॉपर ऑक्सीक्लोराइड 0.3% या ट्राइकोडर्मा विरिडे का 1 कि.ग्रा./एकड़ + 50 कि.ग्रा. गोबर की खाद से उपचार करें। 4. बैक्टीरियल सॉफ्ट रॉट: कटाई के दौरान क्षति से बचें और खेत में जल निकासी सुनिश्चित करें।
Harvesting & Yield	Harvesting / Yield Carrots are ready for harvest 80–100 days after sowing (variety-dependent). Harvest when roots are 2–3 cm thick and brightly colored. Avoid delayed harvest to prevent fibrous roots. Average yield: 100–120 q/acre (Rabi) or 80–90 q/acre (early crop).	कटाई और उपज	कटाई / उपज गाजर बोने के 80-100 दिन बाद कटाई के लिए तैयार हो जाती है (किस्म पर निर्भर)। जब जड़ें 2-3 सेंटीमीटर मोटी और चमकदार हो जाएं, तब कटाई करें। रेशेदार जड़ों से बचने के लिए कटाई में देरी न करें। औसत उपज: 100-120 क्विंटल/एकड़ (रबी) या 80-90 क्विंटल/एकड़ (जल्दी पकने वाली फसल)।
Post-Harvest Management & Storage	Post-Harvest Handling Remove tops and wash roots gently in clean water. Grade by size and color. Pack in perforated plastic crates or gunny bags. Store at 0–4 °C and 90–95% RH for 2–3 months.	फसल कटाई के बाद का प्रबंधन और भंडारण	कटाई के बाद की प्रक्रिया ऊपरी भाग हटाकर जड़ों को साफ पानी से धीरे से धो लें। आकार और रंग के अनुसार छाँट लें। छिद्रित प्लास्टिक के बक्सों या बोरी में पैक करें। 0–4 डिग्री सेल्सियस तापमान और 90–95% सापेक्ष आर्द्रता पर 2-3 महीने तक संग्रहित करें।
Disclaimer	These recommendations are based on SAUs, government agencies, and trial centers. Actual results may vary depending on soil type, climate, variety, and crop management practices.	अस्वीकरण	ये सिफारिशें एसएयू, सरकारी एजेंसियों और परीक्षण केंद्रों पर आधारित हैं। वास्तविक परिणाम मिट्टी के प्रकार, जलवायु, किस्म और फसल प्रबंधन पद्धतियों के आधार पर भिन्न हो सकते हैं।

PRACTICES	વ્યવસ્થાપન	હાઇબ્રિડ ગાજર (સિંદૂર)
Field Sanitation	ખેતરની સ્વચ્છતા	વાવણી પહેલાં પાછલા પાકના અવશેષો, નીંદણ, જૂની વેલા અને રોગગ્રસ્ત/ક્ષતિગ્રસ્ત છોડની સામગ્રી દૂર કરો. જીવાત અને રોગના ફેલાવાને ઘટાડવા માટે ખેતરની સીમાઓ સ્વચ્છ રાખો.
Soil requirement	માટીની જરૂરિયાત	ઊંડી, છૂટી અને રેતાળ લોમ માટી, સારા પાણીના નિતારવાળી, ફળદ્રુપ, સારા કાર્બનિક પદાર્થોવાળી. આદર્શ pH-શ્રેણી: લગભગ 6.0-7.0. મૂળના વિકૃતિને રોકવા માટે પાણીનો ભરાવો, ભારે માટી અને પથ્થરવાળી માટી ટાળો.
Soil Testing	માટી પરીક્ષણ	EC, pH, OC અને મેક્રો-માઇક્રો પોષક તત્વો માટે ઓછામાં ઓછા દર 2-3 વર્ષે એક વાર માટી પરીક્ષણ કરો અને પરીક્ષણના પરિણામોના આધારે ખાતરો લાગુ કરો.
Climate Suitability	આબોહવા યોગ્યતા	આબોહવાની આવશ્યકતાઓ ગાજર શ્રેષ્ઠ રંગ અને સ્વાદ માટે હળવા કરતાં ઠંડા વાતાવરણને પસંદ કરે છે. શ્રેષ્ઠ તાપમાન: ૧૫-૨૫ °સે. ઊંચા તાપમાનને કારણે રંગ ખરાબ થાય છે અને મૂળ કઠણ થાય છે; હિમ પર્ણસમૂહને નુકસાન પહોંચાડી શકે છે.
Land preparation	જમીનની તૈયારી	[illegible]
Sowing Time	વાવણી સમય	[illegible]
Seed rate & Spacing	બીજ દર અને અંતર	[illegible]
Seed Treatment	બીજ માવજત	[illegible]
Weed Management	નીંદણ વ્યવસ્થાપન	[illegible]
Fertilizer Management	ખાતર વ્યવસ્થાપન	[illegible]
Irrigation Management	સિંચાઈ વ્યવસ્થાપન	[illegible]
Pest Management	જીવાત વ્યવસ્થાપન	[illegible]
Disease Management	રોગ વ્યવસ્થાપન	[illegible]
Harvesting & Yield	લણણી અને ઉપજ	[illegible]
Post-Harvest Management & Storage	લણણી પછીનું સંચાલન અને સંગ્રહ	[illegible]
Disclaimer	અસ્વીકરણ	[illegible]

PRACTICES	पद्धती	हायब्रिड गाजर (सिन्दूर)
Field Sanitation	फील्ड स्वच्छता	पेरणी करण्यापूर्वी मागील पिकांचे अवशेष, तण, जुन्या वेली आणि रोगग्रस्त/खराब झालेले वनस्पतींचे अवशेष काढून टाका. कीड आणि रोगांचा प्रसार कमी करण्यासाठी शेताच्या सीमा स्वच्छ ठेवा.
Soil requirement	मातीची आवश्यकता	खोल, भुसभुशीत आणि वालुकामय चिकणमाती, उत्तम निचरा होणारी, सुपीक, आणि चांगल्या सेंद्रिय पदार्थांनी युक्त. आदर्श pH-श्रेणी: सुमारे ६.०-७.०. मुळांचा आकार बिघडू नये म्हणून पाणी साचणे, जड चिकणमाती आणि दगडयुक्त जमीन टाळावी.
Soil Testing	माती परीक्षण	दर २-३ वर्षांतून किमान एकदा EC, pH, OC आणि स्थूल-सूक्ष्म पोषक तत्वांसाठी माती परीक्षण करा आणि परीक्षणाच्या निकालांनुसार खते वापरा.
Climate Suitability	हवामान अनुकूलता	हवामानाची आवश्यकता उत्तम रंग आणि चवीसाठी गाजराला थंड ते सौम्य हवामान पसंत असते. आदर्श तापमान: १५–२५°C. उच्च तापमानामुळे रंग खराब होतो आणि मुळे कडक होतात; दंवमुळे पानांचे नुकसान होऊ शकते.
Land preparation	[illegible]	[illegible]
Sowing Time	[illegible]	[illegible]
Seed rate & Spacing	[illegible]	[illegible]
Seed Treatment	[illegible]	[illegible]
Weed Management	[illegible]	[illegible]
Fertilizer Management	[illegible]	[illegible]
Irrigation Management	[illegible]	[illegible]
Pest Management	[illegible]	[illegible]
Disease Management	[illegible]	[illegible]
Harvesting & Yield	[illegible]	[illegible]
Post-Harvest Management & Storage	[illegible]	[illegible]
Disclaimer	[illegible]	[illegible]

PRACTICES	நடைமுறைகள்	கலப்பினக் கேரட் (செந்தூரம்)
Field Sanitation	கள சுகாதாரம்	விதைப்பதற்கு முன், முந்தைய பயிர்களின் எச்சங்கள், களைகள், பழைய கொடிகள் மற்றும் நோய் தாக்கிய/சேதமடைந்த தாவரப் பொருட்களை அகற்றவும். பூச்சி மற்றும் நோய் பரவுவதைக் குறைக்க, வயலின் வரப்புகளைச் சுத்தமாகப் பராமரிக்கவும்.
Soil requirement	மண் தேவை	ஆழமான, தளர்வான, மணல் கலந்த வண்டல் மண்; நல்ல வடிகால் வசதியுள்ள, வளமான, மற்றும் சிறந்த கரிமச்சத்துக்கள் கொண்ட மண். உகந்த pH அளவு: சுமார் 6.0-7.0. வேர்கள் சிதைவடைவதைத் தடுக்க, நீர் தேங்குதல், அதிக களிமண் மற்றும் கற்கள் நிறைந்த மண்ணைத் தவிர்க்கவும்.
Soil Testing	மண் பரிசோதனை	EC, pH, OC மற்றும் பேரூட்டச்சத்துக்கள், நுண்ணூட்டச்சத்துக்கள் ஆகியவற்றுக்காக, குறைந்தது 2-3 ஆண்டுகளுக்கு ஒருமுறை மண் பரிசோதனை செய்து, பரிசோதனை முடிவுகளின் அடிப்படையில் உரமிடவும்.
Climate Suitability	காலநிலை பொருத்தம்	காலநிலைத் தேவை சிறந்த நிறத்திற்கும் சுவைக்கும், கேரட் குளிர்ச்சியான அல்லது மிதமான காலநிலையை விரும்புகிறது. உகந்த வெப்பநிலை: 15–25 °C. அதிக வெப்பநிலை நிறக்குறைவுக்கும் வேர்கள் கடினமாவதற்கும் வழிவகுக்கும்; பனி உறைதல் இலைகளைச் சேதப்படுத்தக்கூடும்.
Land preparation	[illegible]	நிலம் தயாரித்தல் [illegible]
Sowing Time	[illegible]	[illegible]
Seed rate & Spacing	[illegible]	[illegible]
Seed Treatment	[illegible]	[illegible]
Weed Management	[illegible]	[illegible]
Fertilizer Management	[illegible]	[illegible]
Irrigation Management	[illegible]	[illegible]
Pest Management	[illegible]	[illegible]
Disease Management	[illegible]	[illegible]
Harvesting & Yield	[illegible]	[illegible]
Post-Harvest Management & Storage	[illegible]	[illegible]
Disclaimer	[illegible]	[illegible]

PRACTICES	అభ్యాసాలు	సంకర క్యారెట్ (కుంకుమ)
Field Sanitation	క్షేత్ర పారిశుధ్యం	విత్తనాలు నాటే ముందు గత పంటల అవశేషాలు, కలుపు మొక్కలు, పాత తీగలు మరియు వ్యాధి సోకిన/దెబ్బతిన్న మొక్కలను తొలగించండి. తెగుళ్లు మరియు వ్యాధులు వ్యాపించకుండా ఉండేందుకు పొలం సరిహద్దులను శుభ్రంగా ఉంచండి.
Soil requirement	నేల అవసరం	లోతైన, వదులుగా ఉండే, ఇసుకతో కూడిన లోమ్ నేల, నీరు నిలవని, సారవంతమైన, మంచి సేంద్రియ పదార్థం కలిగి ఉండాలి. ఆదర్శవంతమైన pH పరిధి: సుమారు 6.0-7.0. వేర్ల వక్రీకరణను నివారించడానికి నీరు నిలవని, బరువైన బంకమట్టి మరియు రాతి నేలలను నివారించండి.
Soil Testing	నేల పరీక్ష	EC, pH, OC మరియు స్థూల-సూక్ష్మ పోషకాల కోసం ప్రతి 2–3 సంవత్సరాలకు కనీసం ఒకసారి నేల పరీక్షలు నిర్వహించి, పరీక్ష ఫలితాల ఆధారంగా ఎరువులను వేయండి.
Climate Suitability	వాతావరణ అనుకూలత	వాతావరణ అవసరాలు క్యారెట్‌కు ఉత్తమమైన రంగు మరియు రుచి కోసం చల్లని నుండి మితమైన వాతావరణం అవసరం. అనుకూల ఉష్ణోగ్రత: 15–25 °C. అధిక ఉష్ణోగ్రతల వల్ల రంగు సరిగా రాదు మరియు వేర్లు గట్టిపడతాయి; మంచు ఆకులను దెబ్బతీస్తుంది.
Land preparation	[illegible]	[illegible]
Sowing Time	[illegible]	[illegible]
Seed rate & Spacing	[illegible]	[illegible]
Seed Treatment	[illegible]	[illegible]
Weed Management	[illegible]	[illegible]
Fertilizer Management	[illegible]	[illegible]
Irrigation Management	[illegible]	[illegible]
Pest Management	[illegible]	[illegible]
Disease Management	[illegible]	[illegible]
Harvesting & Yield	[illegible]	[illegible]
Post-Harvest Management & Storage	[illegible]	[illegible]
Disclaimer	[illegible]	[illegible]

PRACTICES	ಅಭ್ಯಾಸಗಳು	ಹೈಬ್ರಿಡ್ ಕ್ಯಾರೆಟ್ (ವರ್ಮಿಲಿಯನ್)
Field Sanitation	ಕ್ಷೇತ್ರ ನೈರ್ಮಲ್ಯ	ಬಿತ್ತನೆ ಮಾಡುವ ಮೊದಲು ಹಿಂದಿನ ಬೆಳೆಗಳ ಅವಶೇಷಗಳು, ಕಳೆಗಳು, ಹಳೆಯ ಬಳ್ಳಿಗಳು ಮತ್ತು ರೋಗಪೀಡಿತ/ಹಾನಿಗೊಳಗಾದ ಸಸ್ಯ ವಸ್ತುಗಳನ್ನು ತೆಗೆದುಹಾಕಿ. ಕೀಟ ಮತ್ತು ರೋಗ ಹರಡುವಿಕೆಯನ್ನು ಕಡಿಮೆ ಮಾಡಲು ಹೊಲದ ಗಡಿಗಳನ್ನು ಸ್ವಚ್ಛವಾಗಿಡಿ.
Soil requirement	ಮಣ್ಣಿನ ಅವಶ್ಯಕತೆ	ಆಳವಾದ, ಸಡಿಲವಾದ ಮತ್ತು ಮರಳು ಮಿಶ್ರಿತ ಗೋಡು ಮಣ್ಣು, ಚೆನ್ನಾಗಿ ನೀರು ಬಸಿದು ಹೋಗುವ, ಫಲವತ್ತಾದ, ಉತ್ತಮ ಸಾವಯವ ಪದಾರ್ಥಗಳನ್ನು ಹೊಂದಿರುವ ಮಣ್ಣು. ಸೂಕ್ತವಾದ pH ಶ್ರೇಣಿ: ಸುಮಾರು 6.0-7.0. ಬೇರಿನ ವಿರೂಪವನ್ನು ತಡೆಗಟ್ಟಲು ನೀರು ನಿಲ್ಲುವಿಕೆ, ಭಾರವಾದ ಜೇಡಿಮಣ್ಣು ಮತ್ತು ಕಲ್ಲಿನ ಮಣ್ಣನ್ನು ತಪ್ಪಿಸಿ.
Soil Testing	ಮಣ್ಣು ಪರೀಕ್ಷೆ	EC, pH, OC ಮತ್ತು ಮ್ಯಾಕ್ರೋ-ಸೂಕ್ಷ್ಮ ಪೋಷಕಾಂಶಗಳಿಗಾಗಿ ಕನಿಷ್ಠ 2-3 ವರ್ಷಗಳಿಗೊಮ್ಮೆ ಮಣ್ಣಿನ ಪರೀಕ್ಷೆಯನ್ನು ನಡೆಸಿ, ಮತ್ತು ಪರೀಕ್ಷಾ ಫಲಿತಾಂಶಗಳ ಆಧಾರದ ಮೇಲೆ ರಸಗೊಬ್ಬರಗಳನ್ನು ಅನ್ವಯಿಸಿ.
Climate Suitability	ಹವಾಮಾನ ಸೂಕ್ತತೆ	ಹವಾಮಾನದ ಅವಶ್ಯಕತೆ ಕ್ಯಾರೆಟ್ ಉತ್ತಮ ಬಣ್ಣ ಮತ್ತು ಸುವಾಸನೆಗಾಗಿ ತಂಪಾದ ಅಥವಾ ಸೌಮ್ಯ ಹವಾಮಾನವನ್ನು ಬಯಸುತ್ತದೆ. ಸೂಕ್ತ ತಾಪಮಾನ: 15–25 °C. ಹೆಚ್ಚಿನ ತಾಪಮಾನವು ಕಳಪೆ ಬಣ್ಣ ಮತ್ತು ಗಟ್ಟಿಯಾದ ಬೇರುಗಳಿಗೆ ಕಾರಣವಾಗುತ್ತದೆ; ಹಿಮವು ಎಲೆಗಳನ್ನು ಹಾನಿಗೊಳಿಸಬಹುದು.
Land preparation	[illegible]	[illegible]
Sowing Time	[illegible]	[illegible]
Seed rate & Spacing	[illegible]	[illegible]
Seed Treatment	[illegible]	[illegible]
Weed Management	[illegible]	[illegible]
Fertilizer Management	[illegible]	[illegible]
Irrigation Management	[illegible]	[illegible]
Pest Management	[illegible]	[illegible]
Disease Management	[illegible]	[illegible]
Harvesting & Yield	[illegible]	[illegible]
Post-Harvest Management & Storage	[illegible]	[illegible]
Disclaimer	[illegible]	[illegible]